सिफारिशें

1. *एमओसीएवंआई सेज के उद्देश्यों और कार्यों के अनुरूप मापनेयोग्य निष्पादन संकेतक निर्धारित कर सकता है ताकि नागरिकों और राज्यों के लिए वास्तविक सामाजिक आर्थिक लाभ उपचित हो सके।*

(पैराग्राफ 2.5)

2. *सेज नीति और कार्यविधियों को सेक्टोरल और राज्य नीतियों सहित उनमें एकमात्र लाभप्रदता बिंदुओं की अन्तर्ग्रस्तता के साथ समाकलित करने की आवश्यकता है।*

(पैराग्राफ 3.1)

3. *एमओसीएण्डआई निर्देश चिन्हन प्रयोजनों हेतु सेज जीवन चक्र के प्रत्येक चरण के लिए समय सीमाएं निर्धारित करने पर विचार करे।*

(पैराग्राफ 3.3)

4. *एमओसीएण्डआई गैर परिचालन सेज यूनिटों के मानीटर का उचित तंत्र लागू करने पर विचार करे।*

(पैराग्राफ 3.12)

5. *एमओसीएण्डआई सेज के नाम पर सरकार से भूमि के विशाल भूभाग लेने वाले और सेज के रूप में अधिसूचना के लिए इसका कुछ भाग रखने वाले विकासकों से संबंधित सेज नीति तथा प्रक्रियाओं की समीक्षा करें।*

(पैराग्राफ 4.5)

6. *डीओआर निम्नलिखित के संदर्भ में आयकर अधिनियम, 1961 तथा धन कर 1957 का निरीक्षण कर सकता है:*

   I. *विदेशी मुद्रा प्रेषणों के लिए समय पर प्रेषण की आवश्यकता है जिसे धारा 10ए, 10बी तथा धारा 10बीए के मामलें में धारा 10एए के तहत प्रदान नहीं किया गया;*

   II. *आयकर की धारा 10ए/10एए/10बी/10बीए जो 'व्यवसाय के लाभ', 'व्यवसाय का कुल कारोबार' शब्दों को परिभाषित नहीं करती जिससे निर्धारिती को अपनी उपयुक्तता के अनुसार, अपने 'व्यवसाय*

के लाभ तथा 'व्यवसाय का कुल कारोबार' को सुधारने का एक अवसार मिलता है जिसके फलस्वरूप छूट के गलत दावे हुए;

III. *धन कर अधिनियम 1957 की धारा 2(ईए) जिसमें निर्धारिती द्वारा अन्य बातों के साथ-साथ परिसम्पत्ति के अधिग्रहण की तिथि से 10 वर्षों की अवधि हेतु व्यापारगत माल के रूप में रखी गई भूमि सम्मिलित होती है, का दुरूपयोग; तथा*

IV. *एक अनुभवजन्य अध्ययन पर आधारित डीटीए यूनिटों की तुलना में सेज में डीडीटी तथा एमएटी के उद्ग्रहण का प्रभाव।*

(पैराग्राफ 5.5)

7. *एमओसीएण्डआई सेवा कर प्रशासन के लिए स्थापित व्यवस्थाओं की समीक्षा कर सकता है क्योंकि डीसी अथवा क्षेत्राधिकार एसटी आयुक्तालय द्वारा छोड़े गए एसटी का पता लगाने, लेखांकन करने तथा मॉनीटरिंग करने के लिए कोई तंत्र नहीं था।*

(पैराग्राफ 5.11)

8. *एमओसीएण्डआई को डीटीए में ऐसे छूट प्राप्त माल की मंजूरी पर तैयार उत्पाद के विनिर्माण के लिए उपयोग किए गए इनपुटों पर छोड़े गए शुल्क की वसूली पर विचार करना चाहिए जैसा कि ईओयूज के मामले में किया गया है।*

(पैराग्राफ 5.17)

9. *विशेष मॉनिटरिंग उपायों के अलावा आंतरिक लेखापरीक्षा किए जाने की आवश्यकता है और हस्त्य और ऑनलाइन प्रणाली दोनों में एमओसीएण्डआई के साथ सेज डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली के नीतिगत नियंत्रण को कायम रखते हुए आंतरिक नियत्रंण को सुदृढ़ किए जाने की आवश्यकता है।*

(पैराग्राफ 6.4)